Spiritual Healing Camp

शरीर और मन के स्वास्थ्य के लिए अदृश्य विधियाँ

खोजी नं. : 160 दिनांक : 18/01/2026

Name : Smita

Middle Name : Dinesh

Surname : Mahajan.

शहर : Pune

लिंग Gender (पुरुष/स्त्री) : Female

Profession : Asst Prof in Computer

१ यानी सबसे कम और १० यानी सबसे ज़्यादा

भाग १

१) स्पिरिचुअल हीलिंग कॅम्प के बाद आपके अंदर चल रहे नकारात्मक विचारों की संख्या कितने प्रतिशत हैं? _____

२) आपको नींद से संबंधित यदि कोई दिक्कत है तो शिविर के बाद वह कितने प्रतिशत है, ऐसे आपको लगता है? 30%

३) शिविर के बाद यदि कोई शारीरिक बीमारी है तो वह कितने प्रतिशत है? 70%

४) शिविर के बाद आपके अंदर डर (fear) /anxiety की भावना कितने प्रतिशत महसूस होती है? 60%

५) शिविर के बाद आपका मानसिक आरोग्य कौन से स्तर पर है? 50%

६) शिविर के बाद आपकी निर्विचार या विचारशून्य अवस्था कौन से स्तर पर है? 50%

७) शिविर के बाद आपकी भावनात्मक स्थिरता कौन से स्तर पर है? 50%

८) शिविर के बाद आपकी जागति (awareness) और साक्षीभाव कौन से स्तर पर है? 50%

भाग २

९) शिविर के बाद आपके अंदर नीचे दिए गए तनाव / stress की स्थिति कैसी है?

कुछ नए कार्य ऑर्गनाइज़ करने का तनाव: 50%

शादी या किसी फंक्शन का तनाव: -

नई ज़िम्मेदारी आने का तनाव: 50%

एग्ज़ॅम का तनाव: -

नए फैमिली मेम्बर के जुड़ने का तनाव: -

बीमारी का तनाव: 80%

शारीरिक कमज़ोरी होने का तनाव: 70%
वर्तमान का तनाव: 50%
ऑफिस का तनाव: 70%
किसी प्रोजेक्ट का तनाव: 50%
कार्य स्थल पर अनकम्फर्टेबल चेयर: –
लोगों से अटेंशन न मिलने का तनाव: 40%
मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ, ऐसा मन के कहने का तनाव: 40%
मेरी कोई कद्र नहीं करता इस बात का तनाव: 50%
अपना शौक पूरा नहीं करने का या करने का तनाव: 50%
काम ही काम है का तनाव: 40%
रात को नींद न आने का तनाव: 30%
मौसम बदलने का तनाव: –
शरीर में दर्द का तनाव: 50%
बच्चों को पालकर बड़ा करने का तनाव: –
भविष्य में पैसे कम पड़ने का तनाव: 50%
मैं अकेले काम नहीं कर सकता का तनाव: 60%
लोगों को मन की बात न बोल पाने का तनाव: 50% - 60%
कुछ बोलने या न बोलने की फीलिंग: 40%
फीलिंग्ज़ को दबाने का तनाव: 60%
चीखना चाहते, चिल्लाना चाहते, नहीं कर पाने का तनाव: 60%
परफॉर्मेंस बढ़ाने या न दे पाने का तनाव: 50%
होमवर्क न करने का तनाव: –
लोगों के प्रति द्वेष रखने का तनाव: 60%
बदले की भावना न मिटने का तनाव: 60%

नियम : १) दूसरों की गीता न पढ़ें। २) दूसरों को अपनी गीता न बताएँ। ३) ज्ञान के शब्दों का उपयोग हँसी मज़ाक (चीप टॉक) के लिए न करें।

वचन : १) **शिविर में बताई गई किसी भी ॲनॉलॉजी, उदाहरण, समझ / मंत्र, सूत्र, भजन आदि का जिक्र, मैं किसी भी रूप से बाहर नहीं करूँगा / करूँगी इसलिए मैं ज़िम्मेदार और वचनबद्ध हूँ।**

२) मैं अपनी स्व-इच्छा से केवल अपनी आध्यात्मिक उन्नती के लिए और अपनी ज़िम्मेदारी पर यह शिविर कर रहा हूँ/ रही हूँ।

३) मैं स्व-इच्छा से, संपूर्ण रूप से अपनी सहमति व्यक्त करता/करती हूँ कि तेजज्ञान फाउण्डेशन के शिविरों में भाग लेने के दौरान किसी भी बात, वस्तु, परिस्थिति वश, मेरी लापरवाही या भूल-चूक से मुझ पर हुई किसी प्रकार की हानि या नुकसान के लिए मैं खुद ज़िम्मेदार रहूँगा/रहूँगी, न कि संस्थान को ज़िम्मेदार ठहराऊँगा/ठहराऊँगी।

४) मैं तेजज्ञान फाउण्डेशन को अनुमति देता/देती हूँ कि वे विचार सेवा या फीडबॅक सत्रों के दौरान या टी.वी, सोशल मिडिया, पब्लिक डोमेन, रेडियो पर मेरे किसी भी वीडियो/ऑडियो का कोई भी हिस्सा चला सकते हैं।

तेजज्ञान फाउण्डेशन एक स्वयंसेवी संस्था है, जहाँ सकारात्मक सोच रखते हुए, उच्चतम और आनंदित जीवन जीने हेतु सरश्री मार्गदर्शन देते हैं। लेकिन उनकी शिक्षाओं पर, उनके बताए गए नियमों और वचनों पर काम करके, उस राह पर स्वयं को आगे बढ़ना होता है।
इसमें कॉमन सेन्स (व्यवहारिक ज्ञान) का इस्तेमाल करते हुए, हमें स्वयं अपने व्यक्तिगत, आर्थिक, सामाजिक जीवन में संतुलन बनाए रखना होता है और जीवन के इन स्तरों में विकास करने की जिम्मेदारी भी स्वयं की होती है, संस्था की नहीं।
इन सभी बातों की हामी भरते हुए, इस संस्था में बताए गए शिविर आप अपनी जिम्मेदारी पर कर रहे हैं, न कि किसी के दबाव में आकर।

ऊपर दिए गए और शिविर के दिए गए सभी नियमों और वचनों का पालन करने के लिए मैं वचनबद्ध हूँ। (हाँ / ना) : Yes

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें www.tejgyan.org

हस्ताक्षर

धन्यवाद।